

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 4, एक सच्चे भविष्यवक्ता के लक्षण

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा पैगंबरों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 4 है, एक सच्चे पैगंबर के लक्षण।

ठीक है, मुझे लगता है कि हमें शुरू करना चाहिए।

तो, आइए सप्ताह की शुरुआत प्रार्थना के शब्दों से करें। दयालु प्रभु, हम आपके बच्चे हैं। हम इसके लिए आपका धन्यवाद करते हैं, कि आपकी कृपा से आप हमारे पास आए हैं।

हम आज जो हैं उसका श्रेय नहीं लेते, लेकिन हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपकी दया में, आपने हमें खोजा, और हमने आपके उद्धार के संदेश का जवाब दिया है। हम प्रार्थना करते हैं कि जब हम अपने जीवन में मूल्यों का निर्माण करते हैं और अपनी नैतिकता और जीवन जीने के सिद्धांतों को आकार देते हैं, तो भविष्यवक्ता वास्तव में उस कार्य का एक महत्वपूर्ण आधार होंगे। हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज हम में से प्रत्येक का मार्गदर्शन करेंगे, हमें उस मार्गदर्शन और ज्ञान के लिए आपकी ओर देखने में मदद करेंगे जिसकी हमें आवश्यकता होगी, और एक वर्ग के रूप में हमें प्रस्तुत की गई चीजों को समझने में मदद करें। एक शिक्षक के रूप में मेरी मदद करें; मुझे आपकी बुद्धि की बहुत आवश्यकता है। मैं यह हमारे प्रभु मसीह के माध्यम से माँगता हूँ। आमीन।

ठीक है, हम झूठे भविष्यवक्ता के विपरीत एक सच्चे भविष्यवक्ता के कुछ लक्षणों के बारे में बात कर रहे हैं। मैंने यह अवलोकन किया कि कोई एक एकल परीक्षण नहीं था, लेकिन जब आप इनमें से कई क्षेत्रों को देखते हैं, जैसे कि ईश्वर से स्पष्ट आह्वान की अपील, पवित्रशास्त्र पर जोर कि ये भविष्यवक्ता के अपने शब्द नहीं थे, बल्कि ईश्वर की आत्मा भविष्यवक्ता पर आ रही थी जब वह बोल रहा था, एक दिव्य श्रेष्ठ की ओर से संदेश दे रहा था। जैसा कि मैंने कहा, नवी किसी और का संदेश देने वाले डाकिया की तरह था।

तीसरा, निश्चित रूप से पवित्रशास्त्र में बुतपरस्त भविष्यवाणी के माध्यम से परम वास्तविकता से जुड़ने की कोशिश के बारे में चेतावनी दी गई है। यह दिन का क्रम था, और पूरे इज़राइल में कनानियों की दुनिया में, और मिस्र में भी, रहस्यमय तरीकों से सत्य की खोज की जाती थी, विभिन्न प्रकार की भविष्यवाणी के माध्यम से, उन चीजों के माध्यम से मार्गदर्शन की तलाश की जाती थी जो अंततः बहुत स्वाभाविक थीं, या वास्तव में परम वास्तविकता से जुड़ने की कोशिश करने की बुतपरस्त अभिव्यक्तियों में निहित थीं। मैंने जो आखिरी बिंदु बताया वह यह था कि पैगंबर ने व्यावसायिकता को त्याग दिया, और मैं इस तथ्य पर जोर देता हूँ कि एक विशेषज्ञ की सशुल्क सेवाएं, कोई ऐसा व्यक्ति जो आता है और अक्सर सेवा के लिए मन में भौतिकवादी मकसद रखता है।

जो नबी सच्चा नबी था, उसने परमेश्वर का वचन बोला, और अक्सर अनिच्छा से। कोई भी नबी बनना नहीं चाहता था। आपका उपहास किया गया। आपको अक्सर तिरस्कृत किया गया, जैसा कि नए नियम के सुसमाचार हमें बताते हैं।

यहाँ तक कि कभी-कभी पैगम्बरों को मार भी दिया जाता था। पैगम्बर बनना लोकप्रिय नहीं था। आप किसी को पैगम्बर बनने के लिए पैसे नहीं दे सकते थे।

बल्कि, यह गहरा विश्वास था कि किसी को उस आह्वान की भावना के प्रति सच्चा होना चाहिए कि ईश्वर उस पर आ रहा है, और कोई उस दिव्य आह्वान के प्रति आज्ञाकारिता और ईश्वरीय अनुग्रह और सत्य के प्रेम के प्रति प्रतिबद्धता के कारण बोलता है। अपने साथी मनुष्यों के लिए आपकी चिंता, जिनके साथ आपने बहुत करुणा साझा की क्योंकि वे केंद्र से दूर थे। वे ईश्वर के उच्च और महान सिद्धांतों और नैतिकता से भटक गए थे, जिनके लिए उन्हें बुलाया गया था, विशेष रूप से टोरा में।

झूठे भविष्यवक्ता तब अक्सर भाड़े के सैनिक होते थे, और मैंने उदाहरण के तौर पर मोआब के राजा बालाक का उदाहरण दिया, जो मेसोपोटामिया के भविष्यवक्ता बालाम से भविष्यवाणी करने के लिए फीस देते थे। व्यावसायिकता के बारे में दूसरी बात यह है कि जब आप किसी भविष्यवक्ता को काम पर रखते हैं, और प्राचीन निकट पूर्व में दरबारी भविष्यवक्ता हुआ करते थे, तो इन भविष्यवक्ताओं की प्रवृत्ति यह होती थी कि वे वही कहते थे जो लोग सुनना चाहते थे, राजा सुनना चाहता था, वह युद्ध में विजयी होगा, बजाय इसके कि वे वही कहें जो लोगों को वास्तव में जानने की आवश्यकता थी। और बार-बार, विशेष रूप से छोटे भविष्यवक्ताओं में, इस बात पर जोर दिया जाता है कि झूठे भविष्यवक्ताओं ने कहा कि सियोन में सब कुछ ठीक है, कोई समस्या नहीं है, हर बर्तन में एक मुर्गी है, हर गैरेज में एक कार है।

शांति, समृद्धि। सच्चे भविष्यवक्ता अक्सर फर के खिलाफ़ प्रहार करते थे, यानी, जैसा कि हेशा ने कहा, वे घटिया घरेलू मेहमान थे। वे परेशान करने वाले थे, वे विद्रोही थे, वे अस्थिर थे, क्योंकि उन्होंने यथास्थिति को चुनौती दी थी।

फिर से, लोगों को नए ढोल की थाप पर चलने के लिए नहीं बुला रहे थे, बल्कि वे लोगों को वाचा की वफ़ादारी की ओर वापस बुला रहे थे। कोई नया धर्म नहीं, बल्कि इस्राएल के परमेश्वर का अधिक प्रामाणिक अनुसरण। चर्च में हमारे सामने जो समस्याएँ हैं, उनमें से एक, जब आप इसे देखते हैं, तो कुछ चर्चों में दूर-दराज़ के लोगों को लगातार डाँटे जाने की प्रवृत्ति होती है।

दुनिया में कुछ भी सही नहीं है। सरकार और समाज में सब कुछ गलत है। हमारे चारों ओर फैले भ्रष्टाचार और अनैतिकता के कारण हर किसी को प्रतिदिन सुधार की आवश्यकता है।

चर्च का दूसरा चरम लोगों को, भविष्यवाणी के शब्दों में कहें तो, सियोन में सुरक्षित महसूस कराता है। सब कुछ ठीक है। मानवीय क्षमता को बस चीजों को काम करने के लिए और अधिक समय दिए जाने की आवश्यकता है।

हम ऐसा कर सकते हैं, अगर हम एक दूसरे के साथ थोड़ा बेहतर तरीके से मिलजुल सकें। मैंने दोनों तरह की स्थितियों का अनुभव किया है। भविष्यवक्ता ऐसे लोग थे जो इसे उड़ने देने से डरते नहीं थे।

यदि परमेश्वर उनके लोगों के लिए उनके होठों के माध्यम से फटकार, सुधार का शब्द भेज रहा था। इसलिए, मुझे लगता है कि यदि आज चर्च को किसी भी तरह से अपने मंत्रालय में भविष्यसूचक होना है, तो उसे भविष्यसूचक संतुलन की आवश्यकता के बारे में पता होना चाहिए। फिर से, सुधार, लोगों को जवाबदेही के लिए बुलाना, लेकिन आशा के साथ प्यार को गले लगाना।

मुक्ति आ रही है। पुनर्स्थापना की संभावना है। कभी भी देर नहीं होती।

परमेश्वर अपने लोगों से प्रेम करता है, इसलिए भविष्यवाणी का वचन सांत्वना देता है और सुधारता है। एक सच्चे भविष्यवक्ता का एक और लक्षण यह है कि भविष्यवक्ता ने प्रभु के नाम से बात की। अब, व्यवस्थाविवरण 13, श्लोक 1-5 में एक अंश है, जो अन्य देवताओं की पूजा करने के बारे में बोलता है।

इसमें कहा गया है कि यह पता लगाएँ कि क्या आप उसे अपने पूरे दिल और अपनी पूरी आत्मा से प्यार करते हैं। जिस भविष्यवक्ता या स्वप्नदर्शी का हमने अभी वर्णन किया है, उसे अवश्य ही मृत्युदंड दिया जाना चाहिए क्योंकि उसने तुम्हारे परमेश्वर यहोवा के विरुद्ध विद्रोह का प्रचार किया, जिसने तुम्हें मिस्र की भूमि से बाहर निकाला और तुम्हें छोड़ा। इसलिए, यदि कोई आता है और यदि वह किसी अन्य ईश्वर के नाम से बोलता है, भले ही वह कुछ भविष्यवाणी करता है जो घटित होती है, भले ही वह कोई चमत्कार करता हो, उसे झूठे भविष्यवक्ता के रूप में आंका जाना चाहिए।

याद रखें, नए नियम में भी यह बताया गया है कि शैतान चिन्ह और चमत्कार कर सकता है। 2 थिस्सलुनीकियों 2:9, प्रकाशितवाक्य 13:13-15। झूठे भविष्यद्वक्ता भी प्रभु के नाम पर बोलते थे। इसलिए यह देखना बहुत आसान है कि पुराने नियम के समय में लोगों को कैसे धोखा दिया जा सकता था।

और, बेशक, आज, आप भाषा सीखते हैं। लोगों के लिए यह सोचना बहुत आसान है, ठीक है, आप ठीक हैं। आप मेरी भाषा बोलते हैं, या आप चर्च की भाषा बोलते हैं।

यिर्मयाह 29:8-9. अपने बीच के भविष्यद्वक्ताओं और ज्योतिषियों को धोखा न दें। उनके द्वारा कहे गए सपनों पर ध्यान न दें। वे मेरे नाम से तुम्हारे लिए झूठी भविष्यवाणी कर रहे हैं।

मैंने उन्हें नहीं भेजा है, प्रभु की घोषणा है। इसलिए, ऐसे लोग हैं जो परमेश्वर के नाम का उपयोग कर सकते हैं, उसके नाम पर बोल सकते हैं, और फिर भी वास्तव में झूठे भविष्यद्वक्ता हो सकते हैं। आज चर्च को एक तरफ से देखें, जब हम यीशु के नाम से प्रार्थना करते हैं, तो हम क्या कर रहे हैं? हम क्या कह रहे हैं? जब हम यीशु के नाम से प्रार्थना करते हैं, तो नाम एक लेबल या शीर्षक से कहीं अधिक होते हैं।

जब हम यीशु के नाम से प्रार्थना करते हैं, तो हम ऐसा उसके अधिकार में, उसकी शक्ति में, उसके व्यक्तित्व में कर रहे होते हैं। क्योंकि एक नाम व्यक्ति के सार में चरित्र को प्रकट करता है। सच्चा भविष्यवक्ता यहोवा की शक्ति और अधिकार में उसके नाम से बोलकर काम करता है, को अमर अदोनाई, विशिष्ट भविष्यवाणी सूत्र, ऐसा प्रभु कहते हैं।

वह यहोवा का प्रतिनिधि था। और इसलिए, पुराने नियम के समय में झूठे भविष्यवक्ता बहुत प्रचलित थे। यहाँ तक कि मत्ती 24 में यीशु ने भी झूठे भविष्यवक्ताओं के बारे में चेतावनी दी है।

प्रेरितों के काम 20 में पौलुस ने कहा है। और 1 यूहन्ना 4:1 कहता है कि जो कुछ आता है, उसे परखो। यह देखने के लिए कि क्या यह सचमुच परमेश्वर की ओर से है।

इसलिए, सिर्फ शब्दावली सीखने और धोखा देने में अंतर है। आप लोगों को नामों में कुछ खास क्लिच का इस्तेमाल करने के लिए प्रोग्राम कर सकते हैं। जिस तरह से आप किसी किरदार को जानते हैं, वह शिष्यत्व है।

उनके साथ रहो। मार्क के सुसमाचार के आरंभ के अनुसार, यीशु ने बारह लोगों को अपने साथ रहने के लिए चुना। और जब आप किसी एक के शिष्य होते हैं और उनके साथ बहुत समय बिताते हैं, तो अगर कोई नकली या दिखावटी या धोखेबाज है, तो देर-सवेर, वह मुखौटा उतर जाएगा।

मुखौटा उतरने वाला है क्योंकि आप उन्हें देखने जा रहे हैं, वे वास्तव में कैसे हैं। आप सभी डेट पर गए हैं, और एक या दो डेट पर जाना बहुत आसान है, और सब कुछ ठीक है, और हर कोई इसे गुप्त रखता है। कोई भी वास्तव में यह प्रकट नहीं करना चाहता कि उसके दिल में क्या है।

लेकिन, आप जानते हैं, जितना ज्यादा समय आप किसी के साथ बिताते हैं, उतना ही ज्यादा आप उन्हें वास्तव में जान पाते हैं। वे कौन हैं, वे क्या चाहते हैं, उनके इरादे क्या हैं, उनका दिल कैसा है। और आज के अच्छे मानवीय रिश्तों की तरह, हमें अंदर से बाहर की ओर काम करना चाहिए।

आप किसी के दिल, किसी के चरित्र, किसी के व्यक्तित्व को जान सकते हैं, न कि सिर्फ वे क्या कहते हैं, बल्कि वे क्या करते हैं और कैसे जीते हैं, इससे वास्तव में यह पता चलता है। इस अर्थ में, मुझे लगता है कि पुराने नियम के समय में लोग बाज़ार में, सड़क के कोनों पर और यहाँ तक कि धार्मिक समुदाय के स्थानों पर भी सभी प्रकार के लोगों को सुन सकते थे जहाँ लोग धार्मिक शिक्षा की तलाश कर रहे थे। लोगों को हमेशा शुरुआत में अनुयायी मिलते हैं।

मैं बोस्टन शहर में आए सबसे बड़े धोखेबाजों में से एक के बारे में सोचता हूँ। मैं एक किशोर था, और बोस्टन में एक प्रचारक आया था जिसने कई महीनों तक क्रूसेड, हफ्तों तक चलने वाली बैठकें खोलीं। उसने डाउनटाउन थिएटर जिले के सबसे बड़े थिएटरों में से एक को किराए पर लिया था।

मैं इस आदमी को रेडियो पर रोज़ाना सुनता था। मेरी सास ने मुझसे कहा कि मुझे उसे सुनना चाहिए। वह बाइबल को बहुत बढ़िया तरीके से उद्धृत कर सकता था।

वास्तव में, उन्होंने बोस्टन ग्लोब में अपने विज्ञापनों में खुद को चलती-फिरती बाइबल के रूप में पेश किया। यही उनकी उपाधि थी। यह वास्तव में वह समाधि-लेख भी है जो उन्हें खत्म करने वाला था।

उन्होंने पवित्र शास्त्र का हवाला दिया। वास्तव में, मैं इस थिएटर के बाहर एक मीटिंग में था, जहाँ वे आए थे, और उन्होंने बहुत से किशोरों को आकर्षित किया, जिनमें मैं भी उस समय था। वे बाइबल की एक आयत उद्धृत करते थे, और कोई भी किशोर जो उस आयत को उनके द्वारा चाहे गए शब्द के साथ समाप्त कर सकता था, वे मंच पर आने पर उसे एक हस्ताक्षरित एक डॉलर का नोट देते थे।

फिर से, उसके होठों से पवित्र शास्त्र की बातें निकल गईं। फिर मुझे बोस्टन ग्लोब का पहला पत्रा याद है जब बोस्टन क्षेत्र के इंजील समुदाय में लोगों द्वारा पैसे भेजे जाने के बाद उसे शहर से बाहर निकाल दिया गया था। ग्लोब में उसे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया था जो बाल्टीमोर में कई मामलों में वांछित था।

एक तो पितृत्व मुकदमा। दूसरा, आगजनी का पादरी होना। क्या आप जानते हैं कि आगजनी का पादरी क्या होता है? उसने बाल्टीमोर में दस घर खरीदे और बीमा प्राप्त करने के लिए सभी दसों को आग लगा दी।

उसके बाद वह ज़्यादा दिन तक नहीं टिक पाया। अचानक ही सब कुछ बंद हो गया। और बोस्टन क्षेत्र के सभी पादरी और आम लोग जो इसमें शामिल हो गए थे, यह आदमी किसी दूसरे ग्रह से आता है, एक थिएटर किराए पर लेता है और पढ़ाना शुरू कर देता है।

फिर, नए नियम में पौलुस अचानक किसी पर हाथ रखने के बारे में क्यों चेतावनी देता है? नौसिखिए पर नहीं। क्या आप जानते हैं कि नौसिखिए के लिए यूनानी शब्द क्या है? शाब्दिक रूप से, कोई ऐसा व्यक्ति जो नया-नया लगा हो। नहीं, जड़ों को गहराई तक जाने में समय लगता है।

चरित्र का निर्माण, आप देखिए, एक हिमखंड की तरह होता है - एक बार में एक बूंद। और जबकि आधुनिक दुनिया में लोग कभी-कभी नैतिकता का ढिंढोरा पीट सकते हैं, जैसा कि उन्होंने प्राचीन दुनिया के भविष्यवक्ताओं के दिनों में किया था - यह अच्छा लगता है - फिर भी, लोग जो कहते हैं और जिस तरह से वे जीते हैं, उसके बीच एक अंतर है।

जब भविष्यवक्ता यहोवा के नाम से बोलते थे, तो यहोवा के लोगों को उसके चरित्र का प्रकटीकरण होना चाहिए था। यदि यहोवा न्यायी है, तो उसके लोगों को भी न्यायी होना चाहिए। भविष्यवक्ता ही वह व्यक्ति था जिसने लोगों को यह याद दिलाया।

यदि यहोवा पवित्र था, जैसा कि लैव्यव्यवस्था की पुस्तक बार-बार अपने लोगों को याद दिलाती है, तो उसके लोगों को अलग होना चाहिए था। उन्हें ऐसे समाज में अलग होने के लिए बुलाया गया था

जहाँ युग के सभी बहकावे में आकर कहते थे, आओ हमारे जैसे बनो, हमारा अनुसरण करो। और फिर भी, जैसा कि भविष्यवक्ताओं ने परिभाषित किया है, यहूदी ऐतिहासिक रूप से सदियों का प्रोटेस्टेंट था।

अलग होने के लिए बुलाया गया। अलग होने के लिए बुलाया गया। पृथ्वी के सभी राष्ट्रों की तरह नहीं होने के लिए बुलाया गया।

लेकिन यहोवा और उसके लोगों के बीच एक अनोखा रिश्ता था। समन्वयवाद नहीं, संस्कृति-परिवर्तन नहीं, हमारे जैसा बनना नहीं, बल्कि दुनिया में परमेश्वर के उद्देश्यों के लिए अलग होना। और इसलिए, इस्राएल और इस्राएल के भविष्यवक्ताओं को प्रतिबिंबित करना था, क्योंकि यहोवा दयालु और कृपालु था, इसलिए उसके लोगों को भी उन गुणों और विशेषताओं को धारण करना था।

इसलिए, प्रभु के नाम पर बोलना, या खुद के लिए, खुद के लिए, या किसी अन्य ईसाई के लिए खुद को ईसाई के रूप में परिभाषित करना, यह एक लेबल से कहीं ज़्यादा है। अगर हम इसे चरित्र में नहीं जीते हैं, तो यह वास्तव में उस लेबल के विपरीत है जिसे हम मानते हैं या जिससे हम पहचानते हैं। इसलिए, यह नाम में बोलने से कहीं ज़्यादा है, यह उस नाम को जीने के लिए है जो उस नाम का प्रतिनिधित्व करता है।

मैं छठी विशेषता की ओर आगे बढ़ता हूँ। भविष्यवक्ताओं की साख अक्सर अलौकिक रूप से समर्थित, पुष्टिकृत, संकेतों और चमत्कारों द्वारा पुष्ट होती थी। संकेत और चमत्कार अपने आप में विश्वास को बाध्य नहीं कर सकते।

लेकिन वे निश्चित रूप से संदेशवाहक और उसके संदेश को प्रमाणित या पुष्ट कर सकते हैं। क्या आपने कभी हिब्रू बाइबिल में मौजूद चमत्कारों के महान समूहों के बारे में सोचा है? जब आप उनके बारे में सोचते हैं तो यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे भविष्यवक्ताओं से संबंधित हैं। पुराने नियम में चमत्कार रोज़मर्रा की घटनाएँ नहीं थीं।

तीन कालखंड ऐसे थे, जब चमत्कारों का एक समूह था और उनमें से प्रत्येक समूह इस्राएल के एक पैगम्बर के इर्द-गिर्द केंद्रित था। मिस्र में मूसा। पुराने नियम का वह एक पैगम्बर जिसके साथ परमेश्वर ने बात की थी।

पनिम एल पनिम। आमने-सामने। और इसलिए, आपके पास ये दस विपत्तियाँ हैं, जिनमें से प्रत्येक, जाहिर है, इन भयानक संकेतों और चमत्कारों के माध्यम से, जीवित परमेश्वर की शक्ति को प्रकट करने और साथ ही मिस्र के देवताओं के महत्व को दिखाने के लिए थी।

कई मायनों में, ओल्ड टेस्टामेंट की कहानी देवताओं की लड़ाई की कहानी है। यह मुझे बचपन की याद दिलाती है। मेरे पास एक सेंट बर्नार्ड था, और मैं पड़ोस में शेखी बघार सकता था; मेरा कुत्ता तुम्हारे कुत्ते से बड़ा है। और सभी चिहुआहुआ भाग जाते थे।

वैसे, सेंट बर्नार्ड इस तरह के मौसम के लिए बेहतरीन कुत्ते हैं। स्विट्जरलैंड में, वे हिमस्खलन के दौरान काम करते थे। और भिक्षु - यह किंवदंती से भी बढ़कर है - वे अपनी गर्दन के नीचे ब्रांडी और एक केग रखते थे।

वे बर्फ में लोगों को खोदकर निकाल सकते थे। वे उनकी गंध सूंघ सकते थे। उनके पंजे बड़े थे।

और हमने अपना नाम एक प्रसिद्ध संत बर्नार्ड के नाम पर रखा, जिनकी आज स्विट्जरलैंड के बर्न में एक प्रतिमा है। लेकिन मिस्र में, ये चमत्कार हुए, उन्होंने बहुत, बहुत शक्तिशाली तरीके से दिखाया कि इस्राएल का ईश्वर सभी अन्य दावों से बड़ा, अधिक शक्तिशाली, अधिक मजबूत था। नील नदी में ओसिरिस नामक रक्तप्रवाह देखा गया, जिसने नील डेल्टा क्षेत्र में जीवन, उर्वरता और फसलें लाईं।

नील नदी यही थी, देवता ओसिरिस की रक्तधारा। और अब लाल रंग की तलछट या प्रदूषण के कारण नील नदी से पानी पीना संभव नहीं है। मेंढक मिस्र की भाषा में सुंदर चित्रात्मक संकेतों की एक शब्दावली देखता है।

मेंढकों की बहुत सारी तस्वीरें हैं। और मेंढक नष्ट हो गए हैं। और हां, न्यू इंग्लैंड की सबसे बड़ी विनिर्माण कंपनी का नाम मिस्र के देवता रेथियॉन के नाम पर रखा गया था, जो देवताओं की किरण है।

रे सूर्य देवता थे। और जब वे तीन दिन तक लगातार गायब रहे, शायद एक हम्मिन के कारण, रेगिस्तान से एक भयंकर रेत का तूफ़ान हवा में काली धूल के इन सभी कणों को उड़ा रहा था, और वे नष्ट हो गए। और फिर भी, इब्रानियों के घरों में रोशनी थी।

आप उन सभी चमत्कारों को देखें। कई मायनों में, वे मिस्र के देवताओं की हार का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस्राएल वादा किए गए देश में आता है।

और 9वीं सदी में आपके पास क्या है? आपके पास उपासना में गिरावट और वाचा संबंधी विश्वासघात है, खासकर उत्तरी राज्य में अहाब और इज़ेबेल के समय। और इसलिए, परमेश्वर का सुधार क्या है? वह एक भविष्यवक्ता, एलियाहू हातिशबी, एलियाहू तिशबी को खड़ा करता है। और, बेशक, 1 राजा 18-19 में दर्ज की गई वह महान प्रतियोगिता, माउंट कार्मेल पर, जहाँ बाल के सैकड़ों भविष्यवक्ता थे।

बाल, मौसम का देवता। इस समय इज़राइल में प्रचलित हवाएँ आती हैं। बारिश होती है, और कभी-कभी भूमध्य सागर से बर्फ गिरती है।

इसलिए, इज़राइल में, आप जितना उत्तर और पश्चिम की ओर जाएँगे, यह उतना ही ठंडा और गीला होता जाएगा। इसके विपरीत, इज़राइल में, आप जितना दक्षिण और पूर्व की ओर जाएँगे, यह उतना ही गर्म और सूखा होता जाएगा। इसलिए इज़राइल के तट पर सबसे ऊँचा स्थान माउंट कार्मेल है।

क्या ही शानदार जगह है, यहाँ से इस्राएल की रोटी की टोकरी दिखाई देती है। कनानियों के धार्मिक जीवन में, बाल ने ही यिज्जेल को बनाया था। हम इस कोर्स में आगे यिज्जेल के बारे में बात करेंगे।

इसका मतलब है कि ईश्वर प्रसारित करता है। ईश्वर बोता है। और यह उस घाटी की उर्वरता के बारे में बताता है।

बाद में, यूनानियों ने आकर इसका नाम जेज्जेल से बदलकर एस्ट्रेलन रख दिया, जो कि गॉड-सॉज़ घाटी का ग्रीक रूप था। भूमि के उत्तर में सबसे बड़ी उपजाऊ घाटी। मौसम, उर्वरता, अंकुरण, फसल और भूमि में जीवन के देवता के दर्शन के लिए इससे बेहतर जगह और क्या हो सकती है।

बाल, जो बारिश लाता है और फसल उगाता है। और इसलिए बाल के नबी एलिय्याह के नबी के खिलाफ़ खड़े हो जाते हैं। और बेशक, आग नीचे आती है और बलिदान को नष्ट कर देती है।

पाठ के अनुसार, वह खाई में पानी भी चाटता है और पत्थरों को भी खा जाता है। और आप आधुनिक इज़राइल में मुहराका जाकर माउंट कार्मेल पर एलिजा की एक मूर्ति देख सकते हैं।

और आज, यहाँ परिसर से साइकिल की सवारी के भीतर, जब भी किसी बच्चे का मंदिर में या यहाँ उत्तरी तट पर किसी घर में खतना किया जाता है, तो आपके पास क्या होता है? किस्सेई एलियाहू। आपके पास एलिय्याह की कुर्सी है। और जब भी किसी बच्चे का खतना किया जाता है, तो एलिय्याह की कुर्सी क्यों निकाली जाती है? खतना वाचा का एक संकेत था।

आपको वाचा के प्रति वफ़ादार रहना चाहिए। और इसलिए, एलिय्याह का नाम, एलिय्याह नबी, प्रतीकात्मक रूप से पुकारा जाता है। वह वाचा का संरक्षक है।

जब लोग बाल के आगे झुक रहे थे, तो एलिय्याह ही था जिसने एक भविष्यवक्ता के रूप में खड़े होकर लोगों को मूसा और उन नैतिक और नैतिक शिक्षाओं की ओर वापस बुलाने का साहस किया। इसलिए, मिस्र में, एक बुतपरस्त माहौल में, मूसा को ऊपर उठाया जाता है। उत्तरी राज्य में, एक कनानी के बीच, रे नहीं, बल्कि बाल जैसे संदर्भ में, एलिय्याह को ऊपर उठाया जाता है।

जिस पर उसने अपना लबादा डाला, जैसा कि 2 राजाओं की शुरूआत में बताया गया है, एलिय्याह चमत्कारों की मात्रा के मामले में पुराने नियम में सबसे महान चमत्कारी व्यक्ति होगा। उसके कई चमत्कार दया के चमत्कारों, मृतकों को जीवन देने और यीशु के जीवन में पाई जाने वाली अन्य बातों को दर्शाते हैं। चमत्कारों का तीसरा बड़ा समूह एक अन्य बुतपरस्त पृष्ठभूमि में था जहाँ जीवित परमेश्वर की शक्ति को बुतपरस्त समाज के बीच में देखा जाना था ताकि यह दिखाया जा सके कि इस्राएल का परमेश्वर एक सच्चा परमेश्वर था।

वह जीतता है। और यह, ज़ाहिर है, दानिय्येल के समय बेबीलोन में हुआ था। लोग अपने कपड़ों पर धुँ की गंध के बिना भी आग की भट्टी से बाहर निकलते हैं।

भगवान ने शेर के जबड़े बंद कर दिए, जबकि दानिय्येल शेर की मांद में था। दानिय्येल, एक भविष्यवक्ता, की सपनों की व्याख्या करने की अलौकिक क्षमता, उस बुतपरस्त वातावरण में, जो आधुनिक समय के बगदाद शहर से सिर्फ 50 मील की दूरी पर है, जिसके बारे में हम आधुनिक मध्य पूर्वी इतिहास में बहुत सुनते हैं। बेबीलोन के इन स्थानों में से प्रत्येक में, मर्दुक, जो बेबीलोन का नगर देवता और बेबीलोनियों का मुख्य देवता था, नहीं आया।

यह एक युवा इब्रानी लड़का था जिसे परमेश्वर ने एक भविष्यवक्ता के रूप में इस्तेमाल किया था। वह व्यक्ति जो दिन में तीन बार यरूशलेम की ओर ईमानदारी से प्रार्थना करता था। ठीक वैसे ही जैसे हमारे इलाके के यहूदी लोग दिन में तीन बार यरूशलेम की ओर प्रार्थना करते हैं।

परमेश्वर तब अपनी प्रतिष्ठा बना रहा था। और अपने भविष्यवक्ताओं के माध्यम से, चमत्कारी चिह्नों और चमत्कारों की अनुमति देना ऐसे तरीके थे जिनसे परमेश्वर ने फिर से पुष्टि की और संदेशवाहक और संदेश को मान्यता दी। भविष्यवाणी, जो उसे कहना था।

और जबकि अलौकिक संकेत हर उस चीज़ के साथ नहीं होते जो एक पैगम्बर करता था, इनमें से कई महत्वपूर्ण स्थितियों में इसके प्रमाण मौजूद हैं। सातवाँ बिंदु जो मैं मार्क्स के बारे में कहना चाहता हूँ कि एक सच्चा पैगम्बर कौन होता है। सच्चा पैगम्बर उच्च नैतिक निष्ठा वाला व्यक्ति होता है।

संक्षेप में, पैगंबर ने अपनी बात पर अमल किया। उनका नैतिक जीवन अनुकरणीय था। जोसेफ? उत्पत्ति की पुस्तक में केवल एक व्यक्ति है जिसे मैं जानता हूँ जिसे नबी / नवी, एक पैगंबर कहा जाता है।

और वह अब्राहम है। अब्राहम। फिर भी आज भी इस्लाम में, अब्राहम को, इसी कारण से, एक पैगम्बर के रूप में देखा जाता है।

यहूदी समुदाय में ऐसा नहीं है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यूसुफ को कभी भी भविष्यवक्ता के रूप में वर्णित किया गया है, लेकिन एक अर्थ में परमेश्वर ने यूसुफ के माध्यम से काम किया, विशेष रूप से सपनों की व्याख्या करने की उनकी क्षमता में। और उस अर्थ में, उसने संभवतः उन कई भविष्यवक्ताओं के समान कुछ साझा किया था जिनके पास सपने और दर्शन थे।

और उसमें वह क्षमता थी जो परमेश्वर ने उन्हें व्याख्या करने के लिए दी थी। इसलिए, यूसुफ कुछ हद तक परमेश्वर का एक दैवज्ञ था। परमेश्वर द्वारा इस्तेमाल किया गया एक व्यक्ति।

लेकिन निश्चित रूप से, वह क्लासिक अर्थ में खड़ा नहीं था... इज़राइल के नबियों का क्लासिक काल 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व था, उससे पहले, 9वीं शताब्दी में, एलिय्याह और एलीशा थे। लेकिन यह वास्तव में 8वीं शताब्दी में यारोबाम द्वितीय के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ। उत्तरी राज्य में आमोस, होशे और योना।

यह निश्चित रूप से निर्वासन के बाद की अवधि तक विस्तारित हुआ क्योंकि हमारे पास निर्वासन के बाद के तीन भविष्यवक्ता हैं: हागै, जकर्याह और मलाकी। उन लोगों ने 6वीं शताब्दी के उत्तरार्ध और 5वीं शताब्दी तक भविष्यवाणी की।

अब, मैं उच्च नैतिक निष्ठा वाले व्यक्ति से क्या मतलब रखता हूँ? झूठे भविष्यवक्ताओं, यदि आप उनका ध्यानपूर्वक अनुसरण करते हैं, तो आप पाएंगे कि हमारे पास भविष्यवाणी साहित्य में जो वर्णन है, उसके अनुसार उनमें से कई की नैतिकता बहुत कम थी। उदाहरण के लिए, झूठे भविष्यवक्ताओं को यशायाह 28.7 में शराबी के रूप में वर्णित किया गया है। उन्हें यिर्मयाह 23.11 में अपवित्र और दुष्ट के रूप में वर्णित किया गया है।

बल्कि सामान्य विकृतियाँ। पवित्रशास्त्र में पाया जाने वाला दुष्ट शब्द अक्सर मूर्तिपूजा या बुराई को दर्शाता है, जिसका मूल अर्थ अलग होना या ढीला होना है। और शायद उस शब्द के पीछे नैतिक रूप से ढीला होना, प्रवाह के साथ चलने से मुक्त होना और अपने जीवन को नैतिकता और नैतिकता के साथ जीना है।

यिर्मयाह 23:14 और 15 में कहा गया है कि वे व्यभिचारी थे। उन्होंने झूठ बोला और बुराई का समर्थन किया। यहजेकेल 13:2 में झूठे भविष्यवक्ताओं को झूठा बताया गया है।

संक्षेप में, झूठे भविष्यवक्ताओं के साथ कुछ चरित्र संबंधी मुद्दे हैं। संभवतः झूठे भविष्यवक्ताओं में से कुछ ऐसे भी थे जो एक तरफ तो धोखेबाज़ थे और दूसरी तरफ़ जानबूझकर दूसरे लोगों को धोखा देने के लिए निकले थे, जिन्होंने शायद आधे-अधूरे मन से इस अनैतिक और अनैतिक जीवन शैली के बारे में घोषणाएँ की थीं। लेकिन बाइबल के अनुसार, एक भविष्यवक्ता का नैतिक चरित्र उसके अधिकार को प्रमाणित करता है।

मैंने जितने साल बिताए हैं, उनमें मैंने आधुनिक दुनिया की कई स्थितियों पर विचार किया है, और मैं भविष्यवक्ताओं की प्राचीन दुनिया को देखता हूँ, मेरा मानना है कि चरित्र बाहरी सफलता और किसी की सेवकाई के आशीर्वाद से अधिक महत्वपूर्ण है। बहुत से लोग हैं जो सेवकाई में लोगों के स्थान को केवल परिणामों के आधार पर उचित ठहराते हैं। लोग आ रहे हैं।

पैसा आ रहा है। बड़ी इमारतें बन रही हैं। यह मुझ पर ईश्वर की कृपा का संकेत है और मेरा मंत्रालय ही इसका विचार है।

और इसलिए, लोग सोचने लगते हैं कि वे महान हैं, और लोग उनका सम्मान करते हैं। मैं दक्षिणी राज्य के एक चर्च में था, एक सम्मेलन में बोल रहा था, और मेरी मुलाकात पादरी और उनकी पत्नी से हुई। जब मैं इस चर्च में आया, तो मुझे पता चला कि वे दोनों इस तरह की चीज़ों में फंस गए हैं।

उनमें से प्रत्येक ने दो अलग-अलग समय पर, लगभग 20 मिनट के अंतर पर, एक नई बेंटले कार लेकर चर्च की पार्किंग में प्रवेश किया। अब मेरा सुझाव है कि आप गूगल पर देखें कि बेंटले की कीमत क्या है। ये चमकदार काले रंग की नई बेंटले कार थीं।

और मण्डली के दृष्टिकोण से, आप जानते हैं, हम उन लोगों का सम्मान करना चाहते हैं जो हमारे बीच बहुत सम्मानित हैं। अब, लोगों का सम्मान करने के अलग-अलग तरीके हैं। पादरी और भविष्यवक्ताओं का चरित्र बहुत महत्वपूर्ण है।

चाहे बाहरी संकेत कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, मनुष्य की प्रतिभा और समृद्धि या परमेश्वर की सेवा करने के लिए परमेश्वर के भौतिक इनाम के बारे में, हमें मूर्ख नहीं बनना चाहिए। यह इतना आसान नहीं है। जबकि मेरा मानना है कि एक कामगार अपने पारिश्रमिक का हकदार है, परमेश्वर को उसके परिणाम नहीं, बल्कि उसके चरित्र में दिलचस्पी है।

और मुझे लगता है कि ऐतिहासिक रूप से विश्वासियों के समूह के भीतर जवाबदेही के लिए इस पूरी चीज़ के साथ एक विनम्रता जुड़ी होनी चाहिए। जब लोग भगवान के लोगों से अमीर बनते हैं, तो कुछ गलत है। मेरा सुझाव है कि आप charitynavigator.com पर जाएं और पता लगाएं कि इस देश के 501c3 संगठनों में से कौन है, जिनमें से कई धार्मिक संगठन हैं, ईसाई और अन्य, जो देने वाले लोगों से पैसा कमा रहे हैं।

आप जानते हैं, अगर नतीजे ही वो सबूत हैं जिसकी आप तलाश कर रहे हैं, तो मुझे लगता है कि आपको कहना होगा कि माफिया कुछ सही कर रहा होगा। मुझे लगता है कि एक पैगम्बर के नैतिक चरित्र के गहरे मुद्दे उसके अधिकार को प्रमाणित करेंगे। आप जानते हैं, जब आप आध्यात्मिक और नैतिक चरित्र के बारे में बात करते हैं, तो यीशु आए, और वह दिल में क्या था उसे उजागर करना चाहते थे।

लालच। कंजूसपन। क्षमा न करने वाली आत्मा। वासनापूर्ण हृदय। अपने आचरण में अहंकार। अहंकार।

आत्मा के तथाकथित आंतरिक पाप। लालच। दस आज्ञाओं में सबसे महत्वपूर्ण।

क्यों? जब लालच इंसान के दिल की गहराई में होता है, तो लालच के लिए आप दंड कैसे लगा सकते हैं? यह हमें याद दिलाता है कि कानून आध्यात्मिक है। सिर्फ बाहरी नतीजों के साथ आज्ञा तोड़ना नहीं। आम तौर पर, इसका स्थान दिल में होता है।

यह हृदय की आध्यात्मिक स्थिति है। बुरे विचार फिर बुरे कार्यों की ओर ले जाते हैं। किसी और के जीवनसाथी के लिए लालच की भावना अक्सर व्यभिचार के कृत्य की ओर ले जाती है।

किसी की आत्मा में क्रोध दूसरे की जान लेने का कारण बन सकता है। और इसलिए, लालच दिल में वास्तव में कानून तोड़ता है। यीशु एक भविष्यवक्ता थे।

और यीशु ने वास्तव में मीका 6.8 को अपनाया। प्रभु क्या चाहते हैं? यीशु ने भविष्यवाणी करते हुए कहा, आपका हलाक, आपका चलना, ईश्वर के साथ प्रतिदिन आगे बढ़ना, ज्ञानियुत द्वारा चिह्नित होना चाहिए। हम उस शब्द के अर्थ के बारे में बात करेंगे। इसका आमतौर पर विनम्रता के साथ अनुवाद किया जाता है।

तुम्हें परमेश्वर के सामने इसी तरह चलना चाहिए। यही प्रभु की इच्छा है, दिखावे के साथ नहीं।

अहंकार के साथ नहीं। इस भावना के साथ नहीं कि मुझे सब कुछ मिल गया है क्योंकि मैं खास हूँ। यह उस व्यक्ति का अपमान करता है जिसके लिए आप लोगों को बुला रहे हैं।

सेवकाई के ज़रिए व्यक्तिगत समृद्धि प्राप्त करना ग़लत है। और इसमें व्यक्ति का चरित्र वास्तव में प्रकट होना चाहिए। और इसलिए, दोनों दिशाओं में खींचतान है।

आप और मुझमें यह है। हर इंसान जो आस्था रखता है, उसमें यह है। लेकिन खास तौर पर पैगम्बर अकेले थे।

अकेले। उनके अकेले होने का कारण यह था कि कोई भी उनके बहुत करीब नहीं जाना चाहता था, कहीं ऐसा न हो कि वे भड़क उठें और किसी और सामाजिक आक्रोश का कारण बन जाएं। घोटाले का एक और मामला।

इसलिए, भविष्यवक्ताओं का चरित्र बहुत महत्वपूर्ण था। झूठे भविष्यवक्ताओं के लिए यह उतना महत्वपूर्ण नहीं था। सच्चे और झूठे भविष्यवक्ताओं का दूसरा पहलू यह है कि जब भविष्यवक्ता कुछ आने वाली बात कहता था, तो भविष्यवाणियों की पूर्ति, फिर से, एक सच्चे भविष्यवक्ता को झूठे भविष्यवक्ता से अलग करने का एक कारक थी।

मैंने व्यवस्थाविवरण 18:21 और 22 पढ़ा। आप खुद से कह सकते हैं, हम कैसे जान सकते हैं कि कोई संदेश प्रभु द्वारा नहीं बोला गया है? यदि कोई भविष्यवक्ता प्रभु के नाम से जो घोषणा करता है वह घटित नहीं होती या सच नहीं होती, तो वह संदेश प्रभु ने नहीं बोला है। उस भविष्यवक्ता ने अहंकार से बात की है।

उससे मत डरो। संक्षेप में, एक भविष्यवक्ता ने जो कहा था उसका ऐतिहासिक सत्यापन एक सच्चे भविष्यवक्ता और एक झूठे भविष्यवक्ता के बीच अंतर करने में महत्वपूर्ण था। इस मानदंड के लिए पवित्रशास्त्र में एक महान उदाहरण यिर्मयाह के 28वें अध्याय में हनन्याह की स्थिति है।

हनन्याह, उसका नाम बहुत बढ़िया है, अनुग्रह, कृपा, यहोवा की ओर से है। इसलिए, उसका नाम बहुत विश्वसनीय था। लेकिन वह वास्तव में एक झूठा भविष्यवक्ता है।

वह यिर्मयाह के दिनों में मौजूद था। और यिर्मयाह जानता था कि प्रभु ने कहा था कि बेबीलोन की बंधुआई में 70 साल होंगे। हालाँकि, हनन्याह लोकप्रिय बात कहना चाहता था।

आह, यह बात कुछ ही समय में खत्म होने वाली है। इसलिए, वह उठता है और सभी शब्दावली का उपयोग करता है जिससे कोई सोच सकता है कि वह एक सच्चा भविष्यवक्ता है। 28.2 कहता है, यह वही है जो इस्राएल का परमेश्वर, सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है।

मैं बेबीलोन के राजा का जूआ तोड़ दूँगा, और दो साल के अंदर मैं सब कुछ वापस ले आऊँगा। अब, बेशक, इसने तुरंत ही यिर्मयाह द्वारा सिखाई गई बातों और परमेश्वर द्वारा भविष्यवक्ता के

माध्यम से पहले से कही गई बातों के बीच टकराव पैदा कर दिया। अब, शुरू में, यिर्मयाह इस आदमी पर नहीं कूदता।

वह कुछ इस तरह कहता है, आमीन! आमीन! यार, मैं भी दो साल की कैद चाहता हूँ। इसलिए, छंद 6 में, वह कहता है, आमीन, प्रभु ऐसा करे। प्रभु आपके द्वारा की गई भविष्यवाणी को पूरा करे, प्रभु के घर की वस्तुओं और सभी निर्वासितों को बेबीलोन से वापस लाकर।

फिर भी, यिर्मयाह ने वहाँ एक छोटी सी चेतावनी दी है। वह कहता है, प्राचीन समय से ही तुम्हारे और मुझसे पहले के भविष्यवक्ताओं ने युद्ध, विपत्ति और महामारी की भविष्यवाणी की है। लेकिन जिस भविष्यवक्ता ने शालोम, शांति की भविष्यवाणी की, उसे केवल तभी प्रभु द्वारा भेजा गया व्यक्ति माना जाएगा जब उसकी भविष्यवाणी सच हो।

इसलिए, यिर्मयाह थोड़ा पीछे हट गया और इंतज़ार करने लगा। फिर, पद 12 और 13 में, यहोवा का वचन फिर से यिर्मयाह के पास आता है।

जाओ, हनन्याह से कहो, मैं सभी राष्ट्रों की गर्दन पर लोहे का जूआ डालूँगा ताकि वे नबूकदनेस्सर की सेवा करें। सुनो, हनन्याह, यहोवा ने तुम्हें नहीं भेजा है, फिर भी तुमने इस राष्ट्र को झूठ पर भरोसा करने के लिए राजी किया है। उसी वर्ष के सातवें महीने में, हनन्याह, नर्बी की मृत्यु हो गई।

इसलिए, हनन्याह ने दो साल के भीतर शीघ्र बहाली की भविष्यवाणी की। यिर्मयाह ने 70 साल कहा था। यिर्मयाह ने एक साल के भीतर उस पर न्याय की भविष्यवाणी की।

अगले अध्याय में आप पढ़ेंगे कि निर्वासितों को भेजे गए उस पत्र में 70 वर्षों पर ज़ोर दिया गया है। एक अंतिम शब्द और मैं समाप्त करता हूँ। संदेश में परमेश्वर के सत्य के पिछले रहस्योद्घाटन की पुष्टि होनी चाहिए थी।

यह उन तरीकों में से एक था जिससे हम समझ सकते थे कि परमेश्वर ने पहले क्या कहा था। इसे पिछले प्रकाशन के साथ विरोधाभास या असहमति नहीं होनी चाहिए। यह आज हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण सिद्धांत है जब कोई भाई या बहन कथन के तहत जो कुछ कर रहे हैं उसे उचित ठहराना चाहता है, और यह मेरे लिए परमेश्वर की इच्छा है।

और अगर वे जो दावा कर रहे हैं, वह सच है, तो मैं एक सेमिनरी प्रोफेसर को जानता हूँ जिसने एक बार मुझसे कहा था कि यह ईश्वर की इच्छा है कि वह एक विशेष कार्य करे। खैर, पवित्रशास्त्र में सभी प्रकार की जानकारी है जो उसके द्वारा किए जा रहे कार्य के औचित्य का खंडन करती है, यह कहकर कि यह ईश्वर की इच्छा है। लेकिन यह अंश उसके द्वारा कहे जा रहे ईश्वर की इच्छा का खंडन करता है।

यह अंश सिर्फ इसलिए इसका खंडन करता है क्योंकि यह एक सेमिनरी प्रोफेसर है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह ईश्वर की इच्छा है। उस अभिव्यक्ति का उपयोग करके, यह ईश्वर की इच्छा है।

अगर मैं आपसे कहूं कि क्या आप क्लास के बाद मेरे साथ प्रार्थना करेंगे कि मैं बैंक लूटने में सफल हो जाऊं, तो आपको यह हास्यास्पद लगेगा? इसमें एक विसंगति है। आप मेरे साथ प्रार्थना नहीं करेंगे कि मैं बैंक लूटने में सफल हो जाऊं, क्योंकि यह धारणा कि यह ईश्वर की इच्छा है कि मैं बैंक लूटूं, बहुत सारे शास्त्रों के विपरीत है। शास्त्र एक बात नहीं सिखा सकते, और मैं जो दावा करता हूं कि वह ईश्वर की इच्छा है, वह दूसरी बात है।

और इसलिए, भविष्यवक्ताओं को यह जानना था कि परमेश्वर क्या सिखा रहा था। इसके अलावा, मुझे लगता है, इसके अलावा, नए नियम में, आत्मा की गवाही पर विशेष रूप से जोर दिया गया है। आप जानते हैं, परमेश्वर अपनी आत्मा के माध्यम से मार्गदर्शन करता है।

और जबकि यह एक व्यक्तिपरक परीक्षण हो सकता है, फिर भी, मेरा मानना है कि आध्यात्मिक विवेक का यह उपहार कुछ ऐसा है जो ईश्वर ने आंतरिक मनुष्य को दिया है। वास्तव में, बाद में, जैसा कि पॉल ने नए नियम में करिश्मा के अर्थ में कहा, जो कि पुराने नियम के पैगंबर के पद से अलग है, फिर भी कहा कि पैगंबर की आत्मा पैगंबर के अधीन है। और अगर दूसरे लोग आपकी बातों में कर्कशता सुनते हैं, तो सत्य की सामूहिक समझ से कुछ सीखने को मिलता है।

और यहीं पर मैं आज समाप्त करूंगा। और अगली बार हम भविष्यवाणी को समझने के लिए कुछ व्याख्यात्मक सिद्धांतों के बारे में बात करेंगे।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 4 है, एक सच्चे भविष्यवक्ता के लक्षण।